



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 402]

नई दिल्ली, बुधवार, अक्टूबर 1, 1986/आश्विन 9, 1908

No. 402]

NEW DELHI, WEDNESDAY, OCTOBER 1, 1986/ASHVINA 9, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर, 1986

अधिसूचना

दान-कर

क्र.सं. 704 (अ) —केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, दान-कर अधिनियम, 1958 (1958 का 18) की धारा 48 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दान-कर नियम, 1958 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाता है. अर्थात् :—

- (1) इन नियमों का नाम दान-कर (संशोधन) नियम, 1986 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. दान-कर नियम, 1958 में—

(क) प्रारंभ में—

(i) “अपील में किंग प्रनूनाप का दावा किया गया है” में संबंधित स्तंभ के पश्चात् निम्नलिखित स्तंभ अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“**यदि अपीलार्थी के मामले में किसी अन्य निर्धारण वर्ष की बाबत कोई अपील किसी सहायक आयुक्त (अपील)/आयुक्त

(अपील) के समक्ष प्रेषित है तो निम्नलिखित की बाबत अपील, है :—

(क) सहायक आयुक्त (अपील)/आयुक्त जिसके पास अपील संबंधित है,

(ख) निर्धारण वर्ष जिसके संबंध में अपील की गई है;

(ग) जिसके विरुद्ध अपील की गई है उसे पारित करने वाला दान-कर अधिकारी

(घ) अधिनियम की वह धारा या उपधारा, जिसके अधीन दान-कर अधिकारी ने यह आदेश पारित किया है जिसके विरुद्ध अपील की गई है तथा ऐसे आदेश की तारीख”;

(ii) टिप्पणों में, मद 3 के पश्चात् निम्नलिखित मद अंतःस्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

“4. **यदि अपील एक में अधिक निर्धारण वर्ष की बाबत संबंधित है तो प्रत्येक निर्धारण वर्ष की बाबत पृथक् विनिर्दिष्ट की जाएगी”;

(ख) प्रारंभ में, टिप्पणों में मद 1 के स्थान पर निम्नलिखित मद रखी जाएगी, अर्थात् :—

“1. अपील का ज्ञापन तीन प्रतियों में होना चाहिए और उसके साथ उस आदेश की, जिसके विरुद्ध अपील की गई है, दो प्रतियां (जिन में से कम से कम एक प्रमाणित होनी चाहिए), दान-कर अधिकारी के सुसंगत आदेश की दो प्रतियां, प्रथम अपील अधिकारी के समक्ष अपील के आधारे

की दो प्रतियाँ, तथ्यों के कथन की यदि कोई हो, दो प्रतियाँ संलग्न होनी चाहिए तथा उक्त अपील प्राधिकारी के समक्ष फाइल की जानी चाहिए और साथ ही,—

(क) शास्ति के उद्ग्रहण के किसी आदेश के विरुद्ध अपील की दशा में, मुसयत निर्धारण आदेश की दो प्रतियाँ;

(ख) दान-कर अधिनियम, 1958 (1958 का 18) की धारा 16 के साथ पठित धारा 15(3) के अधीन आदेश के विरुद्ध अपील की दशा में, मूल निर्धारण आदेश, यदि कोई है, की दो प्रतियाँ।

[सं. 6945/फा.सं. 142/75/86-टी.पी.ए.न.]
बी.डी. वाखरकर, निदेशक 'टीपीएल-II'
केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

टिप्पणी: मूल नियम दान-कर मनुसूत्र, 1982 के संस्करण में प्रकाशित किए गये थे, जिसका प्रकाशन निरीक्षण निदेशालय (मुद्रण तथा प्रकाशन) आयकर विभाग, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, हंस भवन, नई दिल्ली-110002 द्वारा किया गया है।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

New Delhi, the 1st October, 1986

NOTIFICATION

GIFT TAX

S.O. 704(E).—In exercise of the powers conferred by section 46 of the Gift-tax Act, 1958 (18 of 1958), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following rules further to amend the Gift-tax Rules, 1958 namely :—

1. (1) These rules may be called the Gift-tax (Amendment) Rules, 1986.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Gift-tax Rules, 1958.—

(a) in Form D,—

(i) after the column relating to “*Relief claimed in appeal”, the following column shall be inserted, namely :—

“**Where an appeal in relation to any other assessment year is pending in the case of the appellant with any Appellate Assistant Commissioner/Commis-

sioner (Appeals), give the details as to the,—

(a) Appellate Assistant Commissioner/Commissioner (Appeals) with whom the appeal is pending;

(b) assessment year in connection with which the appeal has been preferred;

(c) Gift-tax Officer passing the order appealed against;

(d) section and sub-section of the Act, under which the Gift-tax Officer passed the order appealed against and the date of such order”;

(ii) in the Notes, after item 3, the following item shall be inserted, namely :—

“4. **If appeals are pending in relation to more than one assessment year, separate particulars in respect of each assessment year may be given.”;

(b) in Form H, in the Notes, for item 1, the following item shall be substituted, namely :—

“1. The memorandum of appeal must be in triplicate and should be accompanied by two copies (at least one of which should be a certified copy) of the order appealed against, two copies of the relevant order of the Gift-tax Officer, two copies of the grounds of appeal before the first appellate authority, two copies of the statement of facts, if any, filed before the said appellate authority, and also,—

(a) in the case of an appeal against an order levying penalty, two copies of the relevant assessment order;

(b) in the case of an appeal against an order under section 15(3) read with section 16 of the Gift-tax Act, 1958, two copies of the original assessment order, if any.”.

[No. 6945/F. No. 142/75/86-TPL]

V. D. WAKHARKAR, Director (TPL-II)
Central Board of Direct Taxes

Note.—The Principal Rules were published in the Gift Tax Manual, 1982 edition brought out by the Directorate of Inspection (Printing and Publications), Income-tax Department, Central Board of Direct Taxes, Hans Bhavan, New Delhi-110002.